

डॉ. लेस्ली एलन, यहजेकेल, व्याख्यान 12, तीन अविस्मरणीय दिन, यहजेकेल 24:1-27.

© 2024 लेस्ली एलन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. लेस्ली एलन द्वारा यहजेकेल की पुस्तक पर दिए गए अपने उपदेश हैं। यह सत्र 12 है, तीन अविस्मरणीय दिन, यहजेकेल 24:1-27।

अब हम यहजेकेल अध्याय 24 पर आते हैं और यह हमें यहजेकेल की पुस्तक के अब तक के तीसरे भाग के अंत तक ले जाएगा।

हमने अध्याय 21 में संदेशों में एक कीवर्ड देखा, याद है? तलवार। इस अध्याय में तीन संदेश हैं, और वे सभी पैगंबर के जीवन के तीन दिनों को दर्शाते हैं। इसलिए मैंने इस अध्याय को तीन अविस्मरणीय दिन कहा है।

श्लोक 2 में पहले दिन की बात की गई है। हे मनुष्य, इस दिन का नाम लिख लो, इसी दिन का। तो यह स्पष्ट रूप से एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है, चाहे वह कुछ भी हो।

और फिर अंत में श्लोक 25 और श्लोक 27 में, हमें दूसरे दिन का उल्लेख मिलता है, और 26 में, दिन, दिन, दिन, 25 से 27 तक चलता है। बीच के हिस्से में, हमें दिन का उल्लेख नहीं मिलता है, लेकिन श्लोक 18 में हमें सुबह और शाम और सुबह का उल्लेख मिलता है, और वह एक अलग दिन है। दो मामलों में, एक इन संदेशों में सटीक शब्द दिन है और फिर, एक मामले में, दूसरे दिन का स्पष्ट संकेत है।

पद 1 एक विशेष तिथि से शुरू होता है, और हम सोचते हैं, आह, हम इस प्रथा को पहले भी देख चुके हैं। और हम पढ़ते हैं कि नौवें वर्ष में दसवें महीने के दसवें दिन, प्रभु का वचन मेरे पास आया। लेकिन अगर हम और करीब से देखें और यहजेकेल में तिथियों के अन्य सभी संदर्भों के साथ इसकी तुलना करें, तो यह मेल नहीं खाता।

यह अपने प्रारूप में मेल नहीं खाता। यह उस विशेष समय में ठीक से मेल खाता है जिसका यह उल्लेख करता है, लेकिन इसका स्वरूप, कैलेंडर का स्वरूप, समान नहीं है। वास्तव में, यह यहजेकेल में कालानुक्रमिक संदर्भों के अनुरूप नहीं है, लेकिन यह 2 राजाओं में कालानुक्रमिक संदर्भों के आने के तरीके के अनुरूप है।

दरअसल, यह तारीख 2 राजा 25 और श्लोक 1 से ली गई है। और वह तारीख वह है जब घेराबंदी की शुरुआत हुई थी। जब बेबीलोन की सेना आई और उसने उस लंबी घेराबंदी की शुरुआत की, तो वह शुरुआत थी।

और इसलिए, यह उधार लिया हुआ लगता है। मूल रूप से, ऐसा लगता था कि कोई तारीख नहीं थी, लेकिन यह देखना काफी आसान है कि किसी बिंदु पर, वह तारीख क्या थी? ओह, हमें यह किंग्स में मिला है। अच्छा, चलो इसे यहाँ डालते हैं।

लेकिन अगर आप देखें तो यह एक अलग प्रारूप है। लेकिन यह क्या निकला, हम यह पता लगा सकते हैं कि यह कब हुआ था। यह हमारे कालक्रम के अनुसार जनवरी 588 ईसा पूर्व में हुआ था।

तो, हम जानते हैं कि यह कब हुआ था। हम जानते हैं कि जब राजा कहते हैं कि यह कब हुआ था। वैसे भी, श्लोक 2 में, नश्वर इस दिन का नाम लिखता है, इसी दिन।

आज ही के दिन बेबीलोन के राजा ने यरूशलेम को घेर लिया है। और यह बात सच है। यह जानकारी यहाँ यहजेकेल को दी जा रही है।

और हां, यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। आप इसकी तुलना 1945 से कर सकते हैं जब रूसी बर्लिन के बाहरी इलाकों में पहुंच गए थे। और वह यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की शुरुआत थी।

और इसलिए, यह यहाँ है। यहाँ घेराबंदी है। और यह बहुत संभव है, अंततः, हम नहीं जानते कि कितने समय में, अंततः यरूशलेम गिर जाएगा।

यह अंत की शुरुआत है। यह यरूशलेम की लंबी घेराबंदी की शुरुआत थी। और यहजेकेल की भविष्यवाणी के अनुसार, यह निर्वासितों की घर वापसी की उम्मीदों के ताबूत में एक उल्लेखनीय कील होगी।

वे वीआईपी जो पहली बार 597 में बेबीलोन के निर्वासन में आए थे। लेकिन हालात और भी खराब होते जा रहे थे और बेहतर नहीं हो रहे थे। यह एक पुष्टि थी, यह यहजेकेल के लिए एक प्रोत्साहन था कि उसे बताया गया कि वह जिस बारे में भविष्यवाणी कर रहा था, वह कब होगा, यह नहीं जानता था, अब वह हो चुका है, भगवान यहजेकेल से कहते हैं।

लेकिन केवल यहजेकेल ही जानता था कि यह एक महत्वपूर्ण दिन था। वास्तव में, किसी और को नहीं पता था, लेकिन उसे यह निजी जानकारी दी गई थी। उसे उस तारीख को एक पुष्टि के रूप में लिखने के लिए कहा गया था कि जब यह हुआ था, या बल्कि जब बेबीलोन को इसके होने की खबर मिली थी, जो कि और भी बाद में होगी, तब इसकी पुष्टि होगी।

यही मैंने भविष्यवाणी की थी। और यहजेकेल बहुत दुखद बात कह सकता था, मैंने तुमसे कहा था, है न? मैं उन संदेशों का जिक्र कर रहा था जो उसने यरूशलेम की घेराबंदी के बारे में दिए थे।

लेकिन अभी तक, केवल यहजेकेल ही भविष्यवाणी की अतिरिक्त संवेदी धारणा के माध्यम से जानता था। भगवान मानो उसके कान में यह खबर फुसफुसा रहे थे। इससे उसे दुख तो हुआ होगा, लेकिन इससे कहीं अधिक हद तक उसे उन नकारात्मक संदेशों के औचित्य के रूप में प्रोत्साहन भी मिला होगा जो वह इतने लंबे समय से प्रसारित कर रहा था।

मुझे नहीं लगता कि यह जकेल को ये संदेश देने में मज़ा आया होगा। उसे एक तरह से वह स्कॉल याद था, कि जब उसने उसे निगला तो वह मीठा था, जब उसने उसे अपने मुँह में लिया और निगल लिया, लेकिन संदेश की विषय-वस्तु कड़वी थी। और जब यह जकेल ने ये भयानक संदेश दिए तो उसके मन में मिश्रित भावनाएँ रही होंगी।

हमने देखा है कि कैसे यह जकेल विस्तारित रूपक का स्वामी है। और वह हमें यहाँ एक बार फिर दिखाता है क्योंकि, पद 3 से आगे, वह खाना पकाने के बर्तन के रूपक का उपयोग करता है, हर घर में एक बहुत ही साधारण बर्तन - घर के पिछले दरवाजे के बाहर आग पर मांस पकाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बर्तन।

एक पुराना खाना पकाने का बर्तन लंबे समय तक इस्तेमाल की वजह से जंग खा गया था। कोई सोच सकता है कि आयत 3 से 5 में ये आदेश यह जकेल को एक तरह की प्रतीकात्मक कार्रवाई के तौर पर संबोधित किए गए हैं - पहली नज़र में ऐसा ही लगता है।

बर्तन में रखें, उसे रखें, पानी डालें, टुकड़े डालें, सभी अच्छे टुकड़े, जांघ और कंधा, इसे अच्छी हड्डियों से भरें, झुंड में से सबसे अच्छी हड्डी लें, उसके नीचे लकड़ियाँ रखें, उसके टुकड़े उबालें, उसमें उसकी हड्डियाँ भी देखें। चीन में, जहाँ मैं पिछले साल रह रहा था, हड्डियों के लाभकारी गुणों पर बहुत विश्वास है। और हड्डियों को हमेशा मांस के साथ पकाया जाता है।

दरअसल, कटी हुई हड्डियाँ। और उनमें मौजूद मज्जा आपके लिए अच्छी होगी। और जब यह आपकी थाली में परोसा जाता है, तो यह मांस और हड्डियों का मिश्रण होता है।

और लोग उन छोटी हड्डियों को मेज पर थूक देते हैं। जबकि, मैंने उन्हें सावधानी से उठाया और अपने सूप के कटोरे में डाल दिया। इसलिए, हड्डियाँ बहुत कीमती होती हैं क्योंकि उनके अंदर मज्जा की प्रचुर मात्रा होती है।

जो कि यहाँ एक दिलचस्प घटना है। लेकिन वास्तव में, जैसा कि आप ध्यान से देखते हैं, यह वास्तव में नबूकदनेस्सर को दिया गया एक अलंकारिक आदेश है। यह वास्तव में उसे आदेश दे रहा है क्योंकि यह वह दिन है जब यरूशलेम की घेराबंदी की जा रही है।

और इसलिए, नबूकदनेस्सर को यहाँ घेराबंदी जारी रखने के लिए कहा जा रहा है। और इसे अंजाम देने और उस घेराबंदी को पूरा करने के लिए, वास्तव में। और इसलिए, यह उसे घेराबंदी शुरू करने का आदेश दे रहा है, लेकिन इन भारी रूपक शब्दों में।

और, बेशक, असली संबोधनकर्ता, जो देख रहे हैं और सुन रहे हैं, वे 597 युद्ध बंदी हैं। और संदेश का अर्थ यह है कि इस्राएल का परमेश्वर यरूशलेम की घेराबंदी करने में बेबीलोन के राजा के पीछे खड़ा है। यह वास्तव में यही कह रहा है।

और परमेश्वर नबूकदनेस्सर के माध्यम से अपने स्वयं के नकारात्मक उद्देश्यों को पूरा कर रहा है। और इसलिए, नबूकदनेस्सर स्पष्ट रूप से परमेश्वर के आदेशों का पालन कर रहा है। पाठ अपने

विवरण में बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, लेकिन हम समझ सकते हैं कि घेराबंदी का वर्णन किया जा रहा है।

और अब से, शहर के अंदर के लोग मांस के टुकड़ों और मांसल हड्डियों की तरह हैं जिन्हें खाना पकाने के बर्तन में डाला जा रहा है। और अब से, घेराबंदी के दौरान, उनके लिए हालात बहुत गर्म होने वाले हैं। और सामग्री में झुंड के सबसे अच्छे टुकड़ों में से सबसे बढ़िया टुकड़े शामिल हैं।

दूसरे शब्दों में, यरूशलेम के वीआईपी वहाँ होंगे, यरूशलेम की दीवारों के पीछे बंद। और सिदकिय्याह का शाही परिवार, शाही प्रशासन, और अन्य सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण लोग। वे वहाँ होंगे, सबसे अच्छे लोग, बर्तन में, मांस और हड्डियों के रूप में।

लेकिन वास्तव में, घेराबंदी में। और फिर छंद 6 से 11 रूपक के दूसरे चरण का उल्लेख करते हैं। छंद 11 हमें सूचित करने जा रहा है कि यह वास्तव में एक तांबे का बर्तन है।

यह खाना पकाने का बर्तन तांबे से बना है। लेकिन यह एक पुराना खाना पकाने का बर्तन है और इसमें जंग लगी हुई है। और यह जंग की बात करता है, लेकिन यह वास्तव में हरा जंग है जो आपको पुराने तांबे से मिलता है।

और इस जंग का जिक्र है। छंद 6: हाय उस खूनी शहर पर, उस बर्तन पर जिसका जंग उसमें है, जिसका जंग अभी तक नहीं निकला है। और इसलिए आप इस पुराने बर्तन के अंदर जंग की ओर ध्यान आकर्षित कर रहे हैं।

इसे लंबे समय से साफ नहीं किया गया है; इसे बार-बार इस्तेमाल किया गया है और साफ नहीं किया गया है। यह जंग जलकर खत्म हो जाएगी, या यूँ कहें कि यह हरा जंग जलकर खत्म हो जाएगा। इसलिए, आग पर और लकड़ियाँ डालें, क्योंकि अब उस बर्तन से निपटने, उसे साफ करने और जंग से छुटकारा पाने का समय आ गया है।

यह हमारे आधुनिक अभ्यास की तरह है जिसमें स्व-सफाई करने वाला ओवन होता है। इसका तापमान बहुत अधिक होता है, इसलिए इसमें मौजूद गंदगी सफ़ेद पदार्थ के छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल जाती है जिसे आप अंत में पोंछ सकते हैं। और इसलिए, यह अतिरिक्त आग है।

पद 10: लकड़ियों का ढेर लगाओ, आग जलाओ, और उसे कोयले पर खाली रखो ताकि वह गर्म हो जाए। पद 11, इसकी तांबे की चमक, इसकी गंदगी इसमें पिघल जाए, इसकी जंग भस्म हो जाए। और यह, निश्चित रूप से, घेराबंदी के अंत में है; यरूशलेम में आग लगा दी जाएगी।

और वे सभी लकड़ी की इमारतें जलकर राख हो जाएँगी। और इसलिए, निवासियों को बाहर निकालने के बाद, फिर वह दूसरा चरण आता है। और इसलिए, 587 में यरूशलेम से लोगों के निर्वासन का संदर्भ, और आग से यरूशलेम के विनाश का भी संदर्भ।

और इसलिए आप खाना पकाने के बर्तन और उसके नीचे की आग के इस लंबे-चौड़े रूपक में यहीं जा रहे हैं। लेकिन जंग का क्या मतलब है? यह जंग क्या है? खैर, यह खून से जुड़ा हुआ है।

छंद 6 में खून-खराबे का शहर या खूनी शहर। और छंद 22 में, यरूशलेम को खून-खराबे का शहर कहा गया है।

और उन्होंने यरूशलेम के नेताओं और नागरिकों पर रक्तपात में शामिल होने और मानव जीवन की पवित्रता की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। और यहाँ, उस बहाए गए रक्त, यरूशलेम की सड़कों पर आभासी रक्त के धब्बों की तुलना पुराने, अशुद्ध खाना पकाने के बर्तन में जंग से की जाती है। इसे साफ करना होगा।

हमें उन सभी खून के धब्बों से छुटकारा पाना है। और श्लोक 11 में, नहीं, श्लोक 8 में, हमारे पास थोड़ा सा उल्लेख है, थोड़ा सा रूपकात्मक संदर्भ है कि खून को जमीन पर डालने के बजाय एक खाली चट्टान पर रखा गया था। अपनी टिप्पणी में, मैंने श्लोक 8 का अनुवाद किया है, और मैंने उसके बहाए गए खून को खाली चट्टान पर रखा है।

मैंने अनुवाद किया है। मैंने खून को नंगे पत्थर पर खुला रहने दिया है। और विचार यह है कि खून-खराबा बहुत ही स्पष्ट था। आप खून-खराबे को ज़मीन पर गिरने और फिर ज़मीन द्वारा अवशोषित होने के रूप में सोच सकते हैं, और आप इस पर इतना ध्यान नहीं देते।

लेकिन अगर आपके पास एक नंगी चट्टान है, और उस पर खून लगाया गया है। ओह, उस खून को देखो। और यह बहुत ही स्पष्ट और स्पष्ट है।

और परमेश्वर के लिए, यह रक्तपात इतना स्पष्ट और इतना स्पष्ट है। और इससे निपटने की आवश्यकता है। और यह उत्पत्ति 4 की तरह है, जहाँ कैन द्वारा हाबिल का खून बहाया गया था।

और यद्यपि यह धरती पर गिरा था, फिर भी धरती ने परमेश्वर से कुछ करने के लिए कहा। और यहाँ, परमेश्वर उस नंगी चट्टान को खून से लथपथ देख सकता है। और इसलिए, यह इतना स्पष्ट और स्पष्ट है कि इससे निपटना ही होगा।

यरूशलेम में प्रशासन अपने नागरिकों को उनके स्वार्थ के लिए मारने के लिए जिम्मेदार है। और उन्हें मरने दिया और इस बारे में कुछ नहीं किया। श्लोक 13.

फिर भी जब मैंने तुम्हें तुम्हारी गंदी कामुकता में जकड़ लिया, तो तुम अपनी गंदगी से शुद्ध नहीं हुए। और यह 597 का संदर्भ है। एक तरह से, यह यरूशलेम के लिए खुद को सुधारने का एक मौका था।

597 में वीआईपी के चले जाने के बाद। और उन्हें कहना चाहिए था, ठीक है, हमें अपने काम को साफ करना होगा, वरना यह फिर से हो सकता है। जेरूसलम को यह कहना चाहिए था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

और हालात बद से बदतर होते चले गए। इसलिए, भगवान को फिर से हस्तक्षेप करना पड़ा। दरअसल, 588 में और फिर 587 में यरूशलेम का वास्तविक पतन हुआ।

हम बर्तन साफ करने की बात कर रहे हैं। और हम सोच सकते हैं कि यह कुछ सकारात्मक बात है। लेकिन यहाँ कभी भी कोई सकारात्मक विचार नहीं होता।

रक्तपात से निपटने और यरूशलेम पर कब्ज़ा करके उससे छुटकारा पाने के मामले में यह सफ़ाई पूरी तरह से नकारात्मक है। अब हम दूसरे दिन पर आते हैं।

पद 15 से आगे। और यह यहजेकेल के लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत ही दर्दनाक और व्यक्तिगत दिन है। और इसमें उसका अपना निजी जीवन और परिवार शामिल है।

क्योंकि एक प्रतीकात्मक कार्य है जो यहजेकेल को बहुत दुख पहुँचाता है। श्लोक 16. एक ही झटके से, मैं तुमसे तुम्हारी आँखों का सुख छीनने वाला हूँ।

तुम्हारी पत्नी मरने वाली है। तुम्हारी पत्नी अचानक मरने वाली है, बस ऐसे ही।

और यह एक सदमा होगा। और यह होने वाला है... जब भी वह मरेगी, यह एक सदमा होगा। लेकिन अचानक होने वाली घटना इसे और भी ज़्यादा सदमा बना देगी। इतने लंबे समय तक, वह आपकी आँखों का आनंद रही है। और फिर अचानक, वह चली गई। वह मर चुकी है।

खैर अब आम तौर पर... आम तौर पर जब परिवार में किसी की मृत्यु हो जाती है। शोक मनाने की एक पूरी परंपरा होती है। किसी के दुख को व्यक्त करने और कुछ हद तक कम करने के लिए।

और यह... ज़्यादातर संस्कृतियाँ ऐसी ही होती हैं। हालाँकि मुझे समकालीन अमेरिका में उनके बहुत ज़्यादा संकेत नहीं दिखते। लेकिन जब 1940 के दशक में मेरी माँ की मृत्यु हुई।

वहाँ एक विस्तृत अनुष्ठान था। और केवल अंतिम संस्कार ही नहीं था। बल्कि घर के सामने की खिड़कियों पर पर्दे भी थे।

इसे कई हफ़्तों तक बंद रखा जाता था। और हम परिवार के पुरुष कई हफ़्तों तक काली टाई और काली बाजूबंद पहनते थे। और यही हम करते थे। और हर कोई अपने शोक को पहचान लेता था। वे घर को देखते थे - उनका शोक। वे पुरुषों को देखते थे - उनका शोक। और महिलाएँ काले कपड़े पहनती थीं। वगैरह।

और इसलिए, यह बहुत स्पष्ट हो जाएगा। और इसलिए दुःख की यह दृश्य अभिव्यक्ति होगी। और मैंने आपको पिछली बार बताया था।

उस अफ्रीकी-अमेरिकी बेटे के बारे में। जिसके पिता की अस्पताल में मौत हो गई थी। और वो... विलाप।

इससे अस्पताल के वार्ड में मौजूद सभी लोग जाग गए। वैसे, यह कई संस्कृतियों में सामान्य बात है, और यह इज़राइल में भी सामान्य बात थी।

लेकिन यहाँ। बहुत अजीब बात है, हम सोच सकते हैं। यह जकेल को बताया गया है। श्लोक 16 का दूसरा भाग। तुम शोक मत करो या रोओ मत। न ही तुम्हारे आँसू बहेँगे। आहें भरो लेकिन ज़ोर से नहीं।

मरे हुओं के लिए शोक मत करो। अपनी पगड़ी बाँध लो। और अपने पैरों में चप्पल पहन लो। अपने साधारण कपड़े पहनो। और अपने ऊपरी होंठ को मत ढको। और शोक करने वालों की रोटी मत खाओ।

और इसलिए, हम यहाँ हैं। उसे अंतिम संस्कार का भोज नहीं देना था। और बाकी परिवार और दोस्तों को आमंत्रित नहीं करना था।

और इसलिए, यह बहुत ही आश्चर्यजनक है। और वास्तव में। श्लोक 18 में। उसकी पत्नी मर गई। और अगली सुबह। मैंने जैसा आदेश दिया था वैसा ही किया। अपने सामान्य काम में लग गया। शोक या दुःख का कोई संकेत नहीं दिखा।

और यह एक प्रतीकात्मक कार्य है। यह जकेल को इसमें शामिल होना है। और उसे किसी भी रीति-रिवाज को लागू नहीं करना है। जो उसकी अपनी संस्कृति नियमित रूप से करती है, वह केवल अंदर ही अंदर शोक मना सकता है। उसे सामान्य रूप से कपड़े पहनने थे। यह विशेष अंतिम संस्कार भोज आयोजित नहीं करना था। अब। उसके साथी युद्ध बंदी।

यह जकेल के बारे में जो कुछ वे जानते हैं, उससे पहचानें कि यह एक प्रतीकात्मक कार्य होना चाहिए। या हम कह सकते हैं कि इस मामले में कार्रवाई की कमी है। और श्लोक 19। लोगों ने मुझसे कहा। क्या तुम हमें नहीं बताओगे कि इन बातों का हमारे लिए क्या मतलब है। कि तुम इस तरह से काम कर रहे हो। यह बहुत असामान्य है।

कि आप इन शोक प्रथाओं में शामिल नहीं हैं, हर कोई ऐसा करता है। और आपको ऐसा करने का पूरा हक है। बेझिझक। ओह। ठीक है।

और इसलिए, व्याख्या आती है। व्याख्या आती है। और यह जकेल के पास उस प्रश्न के उत्तर में, व्याख्या को आगे बढ़ाने का अवसर है। और परमेश्वर के इरादों का गवाह बनने का।

और वह पृष्ठभूमि के बारे में बता सकता है। प्रतीकात्मक कार्रवाई के पीछे की पूरी स्थिति के बारे में। भ्रष्टाचार, समाज का पूर्ण विघटन। नहीं। वह बता सकता है कि आगे क्या होने वाला है।

587 में। और जो आने वाला है वह है समाज का पूर्ण विघटन। और समाज के सभी मानदंड। वे समाप्त हो जाएँगे। और भले ही बच्चे मर जाएँगे। श्लोक 21।

तुम्हारे बेटे और बेटियाँ जिन्हें तुम पीछे छोड़ आए हो, तलवार से मारे जाएँगे। वह 597 निर्वासितों से यह कह रहा है। और फिर भी, कोई शोक नहीं होना चाहिए। और जैसा कि यह जकेल ने अभी-

अभी अपनी पत्नी को खोया था। वे पीड़ित होंगे - बंधक। 597 के निर्वासितों को शोक और उससे भी बदतर पीड़ा होगी।

मंदिर परमेश्वर और यहूदा के बीच जीवन रेखा था और इसे नष्ट किया जा रहा था। एक अकल्पनीय आपदा। वास्तव में। श्लोक 21. मैं अपने पवित्रस्थान को अपवित्र करूँगा। और ऐसा ही होगा। जो यहूदी लोगों की आँखों का आनंद है।

और इसलिए, जैसा कि लोग जानते हैं, जीवन 587 के साथ ढहने वाला है। और जब युद्ध के कैदी इसके बारे में सुनेंगे। वे उदासीनता में ढहने वाले हैं। और वे अपने दुख से इतने तबाह हो जाएंगे कि सामान्य सांस्कृतिक सुखदायक रीति-रिवाजों को भी पूरा नहीं कर पाएंगे। इतना स्तब्ध कि आंसू भी नहीं निकल पा रहे। यह बहुत भारी होने वाला है।

यरूशलेम के पतन की यह खबर। और ऐसा अब भी है। यहजेकेल।

शोक संतप्त ईजेकील। वह एक संकेत था जो आगे की ओर इशारा कर रहा था। इस महान संकट की ओर। जो घटित होने वाला था। यहूदियों पर पड़ने वाला था। यरूशलेम में। और उनके दुख को प्रभावित करने वाला था।

युद्ध बंदी, जो घर जाने की उनकी आखिरी उम्मीद थे, उनसे छीन लिए गए। अपने बेटे-बेटियों के बारे में सुनकर। जो बेबीलोनियों के हाथों मारे गए थे।

यरूशलेम में वापस। और इसलिए। जीवन थमने वाला था। और यहजेकेल को इसे अभिव्यक्त करना है। और फिर 25 से 27, यह अंतिम भाग है। और यह एक और दिन है जिसका उल्लेख किया गया है। इसका घेराबंदी से बहुत कुछ लेना-देना है। इसका यरूशलेम के वास्तविक पतन से भी कुछ लेना-देना हो सकता है।

घेराबंदी के बाद, यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है। लेकिन 26. यह उस दिन की बात करता है। जब कोई व्यक्ति यरूशलेम से भागकर बेबीलोनिया तक आया है, तो वह आपके पास आएगा और यरूशलेम में जो कुछ हुआ है, उसकी खबर देगा।

और वह एक और भाग्यशाली दिन होगा। ऐतिहासिक रूप से येरुशलम में ऐसा होना एक बात है। बंधकों के लिए किसी जीवित बचे व्यक्ति से यह पता लगाना दूसरी बात है। कोई ऐसा व्यक्ति जो वास्तव में वहाँ था। जो अपने मुँह से कह सके कि यह वास्तव में हुआ है।

लेकिन ऐसा होने जा रहा है। इस समय यहजेकेल के लिए एक तरह का सुखद अंत होने जा रहा है। क्योंकि इसका मतलब है कि वह जो सेवा कर रहा है उसका अंत होने जा रहा है। यरूशलेम और यहूदा में होने वाले विनाश के बारे में और उन चीजों की व्याख्या ईश्वर की सजा के रूप में करना। उसका काम खत्म हो जाएगा। और इसके साथ ही उस पुराने प्रतीकात्मक कार्य का अंत भी होगा।

अध्याय 3 में याद करें, जब वह गूंगा होने वाला था और वह घर में नजरबंद होने जैसा था? और उसके पास कहने के लिए कुछ भी नहीं था। सिवाय उन मौकों के जब भगवान ने उसका मुँह

खोला। न्याय की उन भविष्यवाणियों को कहने के लिए।

खैर अब उसे बताया गया है कि उस दिन एक पूर्वानुमान है। श्लोक 27. उस दिन। तुम्हारा मुंह और जो बच गया है उसके लिए खोला जाएगा। और तुम उससे बात करने में सक्षम होगे। और तुम बोलोगे और फिर चुप न रहोगे। और इस प्रकार तुम उनके लिये एक चिन्ह ठहरोगे। और वे जान लेंगे कि मैं यहोवा हूँ।

कितना दिलचस्प है, क्योंकि यह जकेल। एक संकेत है। निर्वासितों के लिए दो तरह से। हमने इसका उल्लेख नहीं किया, लेकिन श्लोक 24 में। समाज के पतन के बारे में शोक की कमी में। यह जकेल तुम्हारे लिए एक संकेत होगा। तुम वैसा ही करोगे जैसा उसने किया है। और जब यह आएगा।

तुम जान जाओगे कि मैं प्रभु परमेश्वर हूँ।

और एक टिप्पणीकार है जो इसे बहुत अच्छी तरह से सारांशित करता है। उन दो दिनों के बीच का अंतर। श्लोक 24 में, यह जकेल ईश्वर के न्याय और उसके परिणामों का संकेत है। श्लोक 27 में। वह ईश्वर की कृपा और उसके परिणामों का संकेत है। मुझे लगता है कि यह सच है।

और हमें इसे थोड़ा खोलना होगा। श्लोक 27 के मामले में। और इस बिंदु पर हमें याद रखना होगा जैसा कि मैंने अक्सर कहा है कि यह जकेल की पुस्तक विशेष रूप से पहले संस्करण में। मोटे तौर पर दो हिस्सों में विभाजित है। एक से 24 तक और फिर अध्याय 33 में फिर से शुरू होता है। और 48 के अंत तक आगे बढ़ता है।

और एक तरफ़ विनाश का मंत्रालय है और दूसरी तरफ़ सकारात्मक मंत्रालय है। हमने दूसरे संस्करण में भी ऐसा देखा। कुछ सकारात्मक संदेशों को पीछे धकेला गया। पहले भाग में।

लेकिन वे तीखे सकारात्मक संदेश थे। है न? लेकिन हम बंधकों के लिए उस बुरी खबर के अंत में आ रहे हैं। निर्वासितों के लिए। वे वीआईपी जिन्हें वास्तव में बेबीलोन में बंधक बनाकर रखा गया था ताकि यहूदा को फिर से विद्रोह करने से रोका जा सके, हालांकि यह बहुत अच्छा काम नहीं कर पाया।

और इस तरह, यह पहले चरण का अंत है। और हम एक नए चरण की ओर बढ़ने जा रहे हैं। और यह पूरी तरह से स्पष्ट है।

यह पुस्तक के दूसरे भाग की प्रतीक्षा कर रहा है। वास्तव में, लेकिन हमने यह भी देखा है। हमारे अध्ययनों में। कि सामग्री को पीछे धकेला जा रहा है। अध्याय 33 में, यह जकेल एक पहरेदार है। अध्याय 3 पर वापस जाएँ। और कमीशनिंग का विषय। कमीशनिंग के दो प्रकार हैं। पुराना कमीशनिंग और नया कमीशनिंग, एक साथ रखे गए हैं। अध्याय 2 और अध्याय 3 में।

और विभिन्न तरीकों से, पीछे धकेला जा रहा है। तो यह बहुत स्पष्ट है। दूसरा संस्करण। उन लोगों के लिए है। निर्वासितों का वह पूरा समूह। सिर्फ़ 597 लोग ही नहीं। लेकिन 587 लोग जो उनके पीछे आए, आम तौर पर यहूदा के लोगों का समूह, सिर्फ़ यरुशलम के वीआईपी लोग ही नहीं।

और यह पीछे धकेला जा रहा है। और कुल मिलाकर, न्याय का यह विषय है। हाँ। 587 लोगों के उद्धार के संदर्भ में। लेकिन न्याय की अभी भी एक भूमिका है।

और मैंने कभी-कभी बड़े अक्षर जे के साथ न्याय के बारे में बात की है। और छोटे अक्षर जे के साथ न्याय के बारे में। और इसलिए, एक अर्थ में। हम नए संदेश की ओर बढ़ रहे हैं। लेकिन हमें पहले से ही नए संदेश को सुनने का सौभाग्य मिला है। जिसे पुराने संदेशों के बीच में शामिल किया गया है। इसलिए, पूरी बात को 587 समूह पर लागू होने वाले सीधे संदेशों के रूप में पढ़ा जा सकता है। और बहुत हद तक, यह सोच है, जो कभी-कभी दिखाई देती है। कि निर्वासितों को अपने पिछले इतिहास को कभी नहीं भूलना चाहिए। यरुशलम में और वे ईश्वर के खिलाफ हो रहे हैं। ठीक है।

भविष्य में बेहतर चीजों की उम्मीद है। लेकिन उन्हें याद रखना होगा कि बहुत पहले क्या हुआ था। और ऐसा करने की बहुत ज़रूरत थी। और जैसा कि हम पढ़ रहे हैं।

खैर, जब हम किताब के दूसरे हिस्से में आते हैं। हम इसे फिर से देखेंगे। बहुत स्पष्ट रूप से, अध्याय 36 में। और श्लोक 31 में, फिर जब तुम वापस देश लौटोगे। तुम अपने बुरे तरीकों और अपने कामों को याद करोगे जो अच्छे नहीं थे। तुम अपने अधर्म और अपने घिनौने कामों के लिए खुद से घृणा करोगे।

और यह एक स्वस्थ याद थी। यह एक स्वस्थ याद थी। याद रखना। वास्तव में वे कितने पापी थे। और इसलिए, परमेश्वर की कृपा की सराहना करना और इसे फिर से न करने का दृढ़ संकल्प करना। परमेश्वर के लिए।

लेकिन ईश्वर का सम्मान करना है। और इसलिए यह संदेश बहुत ज़रूरी है। और हमने इसे पहले भी सुना है।

यह हमें अध्याय 16 में मिला था। और श्लोक 54 में भी।

इनमें से एक संदेश 587 के बाद का है। मैं तुम्हारी किस्मत को फिर से संवार दूंगा ताकि तुम अपनी बदनामी को सह सको। और जो कुछ तुमने किया है, उसके लिए शर्मिंदा हो। और इसकी बहुत ज़रूरत है। भूलना नहीं। जो हुआ है, उसे भूलना नहीं।

और इसी तरह, मुझे लगता है, हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, उसके ये दो पहलू हैं। बड़े अक्षर जे के साथ न्याय। छोटे अक्षर जे के साथ न्याय। एक तरफ, और यह याद रखने की ज़रूरत है। याद रखें, हमारे अपरिवर्तित जीवन से और चीजों को न भूलें। एक अर्थ में, बीती हुई बातें बीती हुई बातें हैं। लेकिन दूसरे अर्थ में, हमें कभी नहीं भूलना चाहिए।

और हम पाते हैं कि नया नियम इन दो पहलुओं को सामने लाना चाहता है उदाहरण के लिए, छोटे जे के साथ वह निर्णय। अगर हम रोमियों 8 की आयत 13 को देखें। अगर आप शरीर के अनुसार जीते हैं तो आप मरेंगे। अगर आप शरीर के अनुसार जीते हैं तो आप मरेंगे। यह कोई सुसमाचारी, सुसमाचारी चेतावनी नहीं है। यह रोमियों 8 में ईसाइयों से बात कर

रहा है। और आपके पास मृत्यु या जीवन का विकल्प है। और वहाँ वह चेतावनी है। अगर आप शरीर के अनुसार जीते हैं तो आप मरेंगे।

2 कुरिन्थियों 5:10 में, पॉल अपने ईसाई पाठकों को चेतावनी दे सकता था। हम सभी को उपस्थित होना चाहिए।

मसीह के न्याय आसन के सामने ताकि हर एक को अपने शरीर के द्वारा किए गए अच्छे या बुरे कामों का प्रतिफल मिले।

गलातियों 6:7. परमेश्वर का मज़ाक नहीं उड़ाया जा सकता। क्योंकि तुम जो कुछ बोते हो, वही काटते हो। यदि तुम अपने शरीर के लिए बोते हो। तो तुम शरीर से विनाश की फसल काटोगे। लेकिन यदि तुम आत्मा के लिए बोते हो। तो तुम आत्मा से अनन्त जीवन की फसल काटोगे। और फिर

, उसके साथ। हमें रोमियों के अध्याय 6 और श्लोक 7 में एक संदेश मिला है, ईसाइयों के लिए शर्म की आवश्यकता। जब वे अपने अतीत को देखते हैं। उन्हें उन शर्मनाक चीजों को कभी नहीं भूलना चाहिए। और यह बहुत ही चौंकाने वाला है, 6:17। धन्यवाद।

खैर , सबसे पहले श्लोक 21. वे बातें जिनके लिए अब आप शर्मिंदा हैं। वे बातें जिनके लिए अब आप शर्मिंदा हैं, वे आपके ईसाई-पूर्व जीवन की निशानी थीं और फिर श्लोक 17 में वापस। परमेश्वर का धन्यवाद कि आप एक बार पाप के दास होने के बाद सुसमाचार की नई नैतिक शिक्षा के प्रति हृदय से आज्ञाकारी बन गए हैं। और कभी नहीं भूलना चाहिए कि आप क्या थे। और अब आपको ऐसा नहीं होना चाहिए। और इसलिए वह स्मृति, बहुत मजबूत होनी चाहिए। और यह वास्तव में बहुत स्वस्थ है।

लेकिन, निश्चित रूप से, नए नियम में। यह सब उस दूसरे निर्णय से मौलिक रूप से अलग है। बड़े अक्षर जे के साथ। और हमने पिछले व्याख्यान में उल्लेख किया था। रोमियों 1 से 3। परमेश्वर का क्रोध। यह अभी भी एक बहुत ही महत्वपूर्ण वस्तु है। नए नियम में, पुराने नियम की तरह, परमेश्वर का क्रोध जो सभी पर रहता है। परमेश्वर का न्याय जो सभी पर रहता है। लेकिन अब, हम उस न्याय से बच गए हैं और उद्धार के एक नए युग में आगे बढ़ रहे हैं।

और इस मामले में, हम न्याय को सहन नहीं करते हैं। इस मामले में, एक छोटे से जे के साथ, हम न्याय को सहन करते हैं लेकिन उस बड़े अक्षर जे में, हम नहीं करते हैं। परमेश्वर ने क्रूस पर अपने बेटे के व्यक्तित्व में न्याय को अवशोषित किया। लेकिन अभी भी वह बड़ा न्याय है। अभी भी एक छोटा सा न्याय। और इसलिए यह वह जगह है जहाँ यह जेकेल होना चाहता है।

और पुस्तक में, दूसरे संस्करण में, आपको इन दो प्रकार के न्याय का मिश्रण मिला है और पूरे समय। यह उन पुराने बुरे तरीकों को याद करने का आह्वान करता है। लेकिन पहले संस्करण में एक क्रांतिकारी बदलाव है। आप न्याय से मुक्ति की ओर बढ़ रहे हैं। और इसलिए, इसका मतलब है कि यह जेकेल के लिए, ऐतिहासिक रूप से 587 से पहले के न्याय से 587 के बाद के न्याय की ओर बढ़ना है जो मुक्ति की ओर देख रहा है।

और इसलिए इसका मतलब है कि जब हम इस अंतिम पद, पद 24 पर आते हैं, तो आपको बोलना चाहिए। और अब चुप नहीं रहना चाहिए। और तुम उनके लिए एक संकेत बनोगे क्योंकि तुम्हारे पास उनसे कहने के लिए बहुत कुछ होगा, लेकिन अब से यह कुछ अच्छी बातें होंगी जिन्हें सुनकर वे प्रसन्न होंगे।

और शायद आप इस बारे में बात करके बहुत खुश होंगे। और इसलिए, यह उद्धार के उस संदेश की ओर देख रहा है जो हमें अगले अध्यायों में मिलेगा।

लेकिन अगली बार। हमें आना होगा। कुछ छोटी-छोटी पुल सामग्री के लिए। अध्याय 25 से 26 में विदेशी राष्ट्रों के खिलाफ भविष्यवाणियाँ जो संदेशों का पहला भाग है। विदेशी राष्ट्रों के खिलाफ।

यह डॉ. लेस्ली एलन द्वारा यहजेकेल की पुस्तक पर दिया गया शिक्षण है। यह सत्र 12 है, तीन अविस्मरणीय दिन, यहजेकेल 24:1-27।